



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1042]

नई दिल्ली, बुधवार, दिसम्बर 8, 2004/अग्रहायण 17, 1926

No. 1042]

NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 8, 2004/AGRAHAYANA 17, 1926

संस्कृति मंत्रालय

(भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 दिसम्बर, 2004

का.आ. 1336(अ).—केन्द्रीय सरकार ने, भारत का राजपत्र असाधारण भाग II, खण्ड 3, उप-खण्ड (ii), दिनांक 24 नवम्बर, 2003 में प्रकाशित भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) की 24 नवम्बर, 2003 की अधिसूचना सं. का.आ. 1339(अ) द्वारा उक्त अधिसूचना के साथ संलग्न स्थल मानचित्र तथा अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्राचीन संस्मारक को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करने के अपने आशय की दो मास की सूचना दी थी और उक्त अधिसूचना की एक प्रतिलिपि उक्त संस्मारक के निकट सहज दृश्य स्थान पर चिपका दी गई थी;

और उक्त राजपत्र की प्रतियां 29 अप्रैल, 2004 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थी;

और केन्द्रीय सरकार द्वारा की गई इस घोषणा पर जनता से कोई आक्षेप प्राप्त नहीं हुआ है;

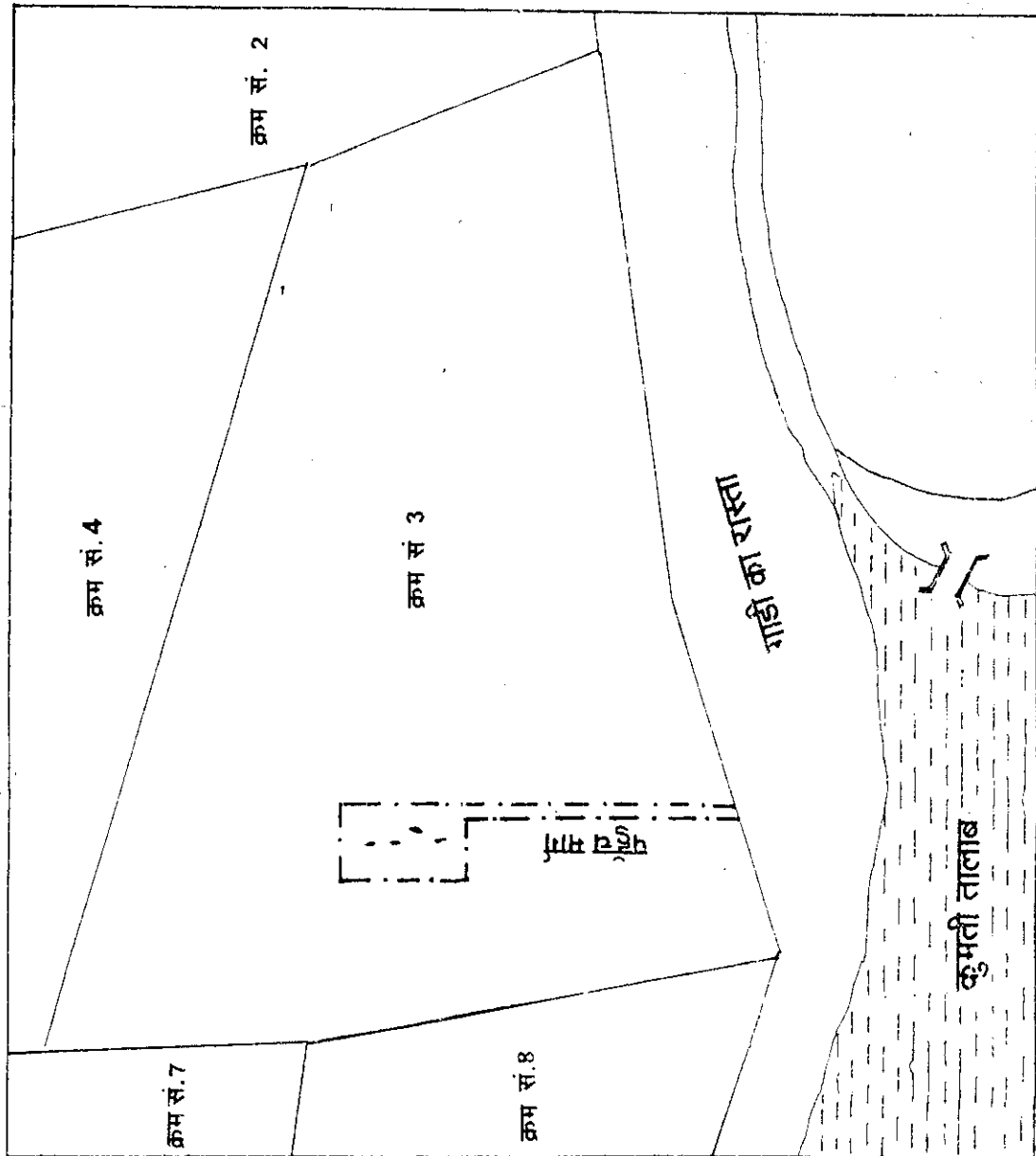
अतः अब केन्द्रीय सरकार प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल एवं अवशेष अधिनियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 4 की उप-धारा

(3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्द्वारा उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्राचीन संस्मारक को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करती है।

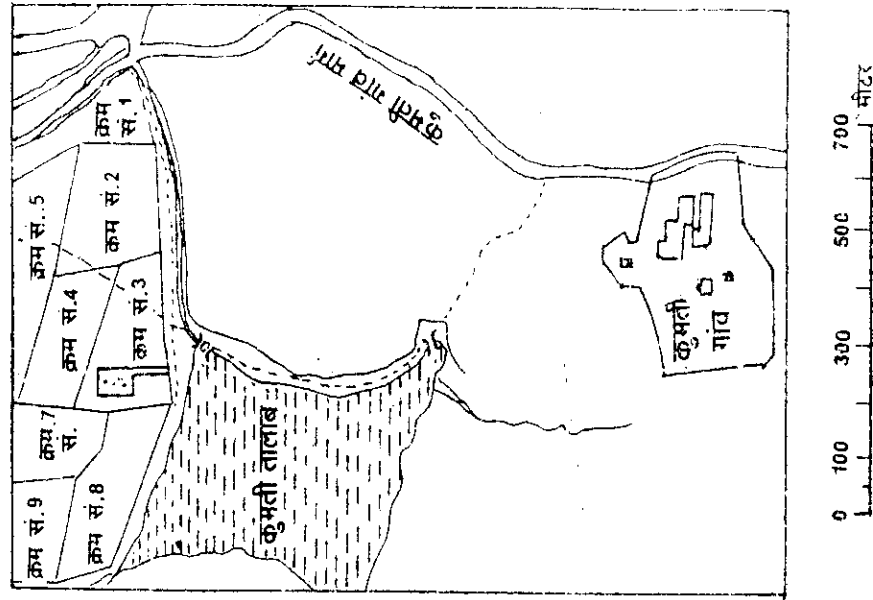
प्रागैतिहासिक मानवतारोपी आकृतियों का मानचित्र
गांव कुमती, तालुक कुदलिगी, जिला बेलारी (कर्नाटक)



0 100 मीटर



कुमती का राजस्व मानचित्र
सार



संरक्षण के लिए प्रस्तावित क्षेत्र

अनुसूची

क्र. सं.	राज्य	जिला	तालुक	स्थान	स्मारक/स्थल का नाम	संरक्षणाधीन शामिल किए जाने वाले राजस्व प्लोट की सं.	क्षेत्र	चारदीवारी	स्वामित्व	टिप्पणियां
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1.	कर्नाटक	वेल्लरी	कुदिगी	कुमटी	मानवतारोपी आकृतियां	सर्वेक्षण सं. 3 का भाग के. एम. टीप्परुद्रेहैया	510 वर्गमीटर	उत्तर : सर्वेक्षण सं. 3 पूर्व : सर्वेक्षण सं. 3 दक्षिण : टैंक पश्चिम : सर्वेक्षण सं. 3	श्री के. एम. टीप्परुद्रेहैया श्री के. एम. टीप्परुद्रेहैया श्री के. एम. टीप्परुद्रेहैया	

[फा. सं. 2/6/96 : एम]

सी. बाबू राजीव, महानिदेशक एवं अपर सचिव

MINISTRY OF CULTURE

(Archaeological Survey of India)

NOTIFICATION

New Delhi, the 8th December, 2004

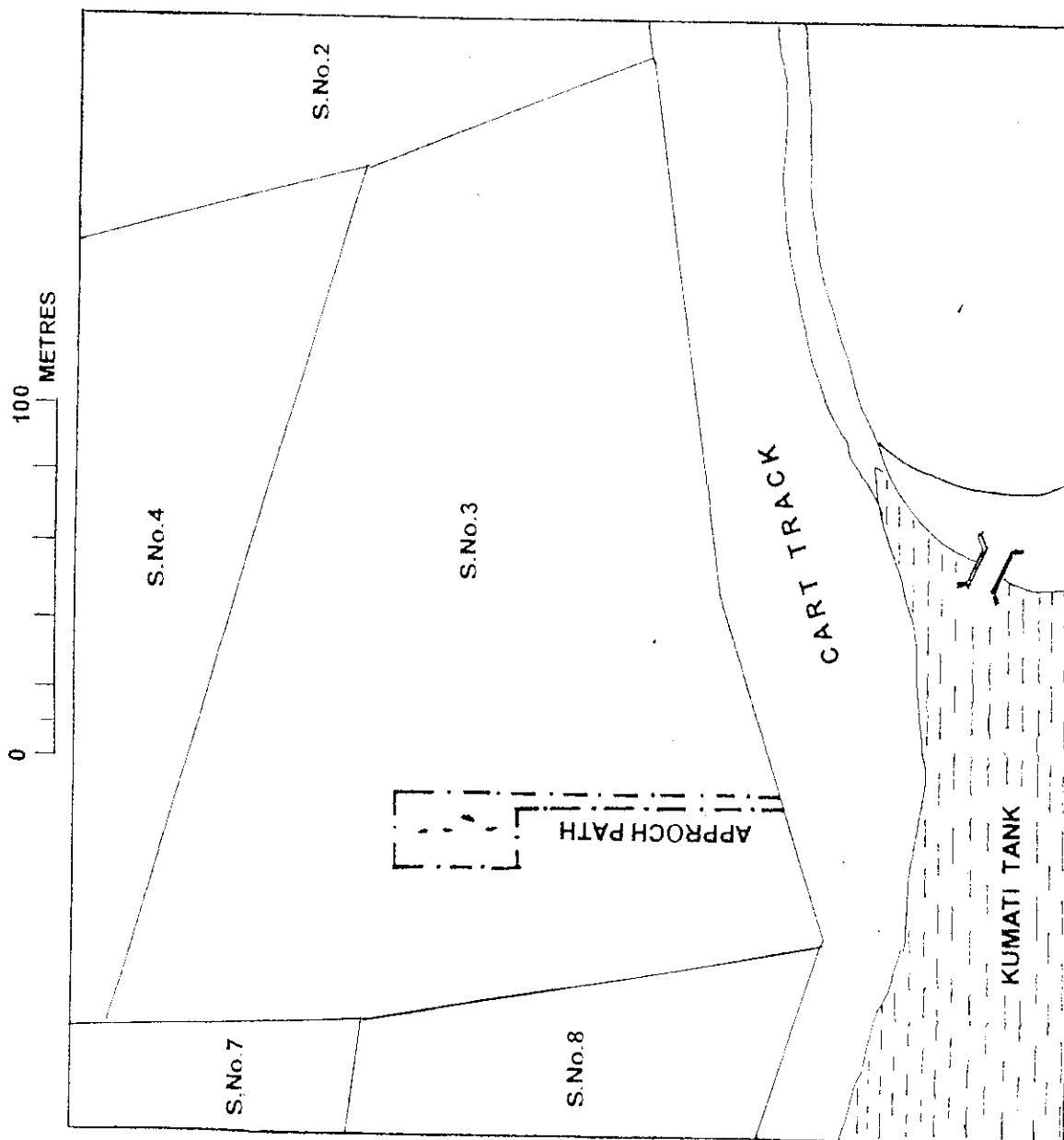
S.O. 1336(E).—Whereas by the notification of the Government of India in the Department of Culture (Archaeological Survey of India) number S. O. 1339(E) dated 24th November, 2003 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 24th November, 2003, the Central Government gave two months notice of its intention to declare the ancient monument specified in the Schedule to the said notification to be of national importance and a copy of the notification was affixed in a conspicuous place near the said ancient monument;

And whereas the said Gazette was made available to the public on 29th April, 2004;

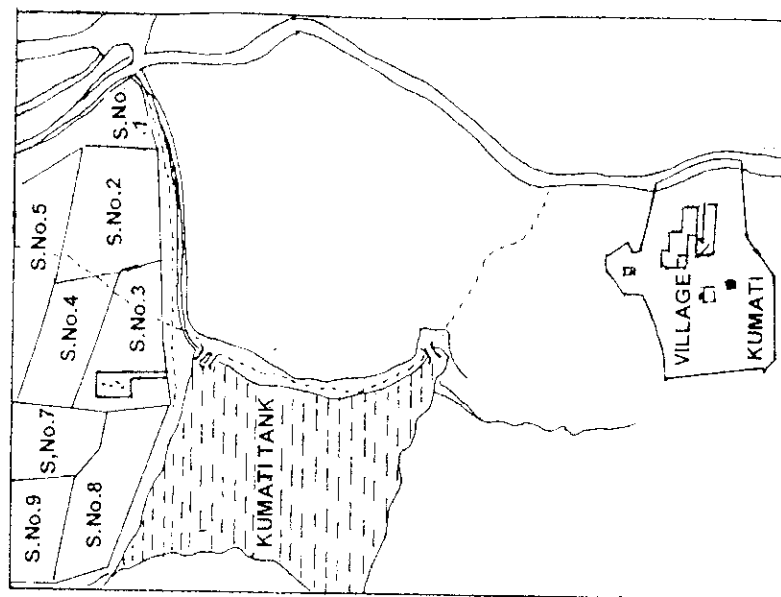
And whereas no objections from the public have been received by the Central Government;

Now, therefore in exercise of the powers conferred by Sub-section (3) of Section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958), the Central Government hereby declares the ancient monument specified in the Schedule annexed hereto, to be of national importance.

**SITE PLAN PLAN OF
PREHISTORIC ANTHROPOMORPHIC FIGURE
VILLAGE: KUMATI, TALUK: KUDLIGI, DISTT. BELLARY (KARNATAKA)**



**REVENUE EXTRACT
MAP OF KUMATI**



AREA PROPOSED FOR PROTECTION

SCHEDULE

S.No.	State	District	Taluk	Locality	Name of the monu- ment/site	Revenue Plot Nos. to be included under protection	Area	Boundaries	Ownership	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1.	Karnataka	Bellary	Kudligi	Kumati	Anthropo- morphic figures.	Part of Survey number 3 K. M. Tipperudraiah	510 sq. mtrs.	North : Survey No. 3 East : Survey No. 3 South : Tank West : Survey No. 3	Shri K.M. Tipperudraiah Shri K.M. Tipperudraiah Shri K. M. Tipperudraiah	

[F. No. 2/6/96 : M.]

C. BABU RAJEEV, Director General and Addl. Secy.

3635 GI/04-2